PAPER-III
MAITHILI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________
   (Name) ______________________
2. (Signature) ______________________
   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.______________________________

(In words)

D 1 8 1 1

Time : 2 $^1/_2$ hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

MAITHILI
मैथिली

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : ई प्रश्नपत्र **दू सय** (200) अंकक अछि । एहिमे **चारि** (4) खंड अछि । अभ्यर्थीकेँ एहिमे समाविष्ट प्रश्नक उत्तर यथास्थान देल गेल विस्तृत निर्देशक अनुसार देबाक अछि ।

SECTION – I
खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : एहि खंडमे **बीस-बीस** अंकक **दू** निबन्धात्मक प्रश्न अछि । प्रत्येक प्रश्नक उत्तर लगभग **पाँच सय** (500) शब्दमे अपेक्षित अछि । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. कोनो **एक** विषय पर निबन्ध लिखू : **20**

   A. मैथिली लोक-साहित्य

   B. मैथिली पत्र-पत्रिका

   C. मैथिली समालोचना-साहित्य

2. कोनो **एक** विषयपर निबन्ध लिखू : **20**

A. वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'

B. व्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'

C. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'

SECTION – II
खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only **one** elective/specialization and answer all the **three** questions contained therein. Each question carries **fifteen** (**15**) marks and is to be answered in about **three hundred** (**300**) words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : एहि खंडमे प्रत्येक ऐच्छिक इकाइ / विशेषज्ञतासँ **तीन** (3) प्रश्न अछि । अभ्यर्थीकेँ **एक** ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता मात्रकेँ चुनि ओहीमेसँ **तीनू** प्रश्नक उत्तर देबाक अछि । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह** अंकक अछि, जकर उत्तर लगभग **तीन सय** (300) शब्दमे अपेक्षित अछि । **(3 × 15 = 45 अंक)**

ऐच्छिक – I
(विद्यापति)

3. विद्यापति पदावलीमे वर्णित विरहक मार्मिकता पर प्रकाश दियउ । **15**
4. विद्यापतिक भक्ति-भावनासँ परिचय कराउ । **15**
5. विद्यापतिक लोकप्रियताक रहस्य की अछि ? स्पष्ट करु । **15**

ऐच्छिक – II
(चन्दा झा)

3. कवीश्वर चन्दाझा-कालीन सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितिकेँ स्पष्ट करु । **15**
4. कवीश्वर चन्दाझाक रामायणमे प्रकृति-वर्णनक चमत्कार देखाउ । **15**
5. कवीश्वर चन्दाझाक स्फुट रचनासँ परिचय कराउ । **15**

ऐच्छिक – III
(आधुनिक नाटक)

3. आधुनिक नाटकक विकासक्रम देखाउ । **15**
4. नचिकेताक नाट्यशिल्पक विश्लेषण करु । **15**
5. स्वतंत्रतापूर्व मैथिली नाटकक समीक्षा करु । **15**

ऐच्छिक – IV
(आधुनिक कविता)

3. आधुनिक मैथिली कविताक सम्प्रेषणीयता पर विचार करु । **15**
4. यात्रीक प्रगतिवादी दृष्टिकोणसँ अवगत कराउ । **15**
5. आधुनिक सन्दर्भमे 'पतन' खण्डकाव्यक मीमांसा करु । **15**

ऐच्छिक – V

(कथा - उपन्यास)

3. मैथिली उपन्यासक विकासक्रम देखाउ । **15**

4. 'ललितक कथामे मध्यवर्गीय समाजक चित्रण भेल अछि' – स्पष्ट करु । **15**

5. मैथिली कथा-साहित्यक विकासमे लेखिकाक भूमिका निरुपित करु । **15**

SECTION – III

खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : एहि खंडमे **दस-दस** अंकक **नओ** (9) प्रश्न अछि । प्रत्येक प्रश्नक उत्तर लगभग **पचास** (50) शब्दमे अपेक्षित अछि । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. डाक वचनावलीक महत्त्व देखाउ । **10**

7. वर्णरत्नाकरक वैशिष्ट्य लिखू ।	**10**

8. प्रमुख नेपालीय मैथिली नाटकसँ परिचय कराउ ।	**10**

9. विद्यापतिक संस्कृत रचनाक उल्लेख करु । **10**

10. उमापतिक पारिजातहरणक कथावस्तु लिखू । **10**

11. चन्दाझाक उपाधिपर विचार करु । **10**

12. हरिमोहनझाक ‘एकादशी’ कथासंग्रहक महत्त्व निरूपित करु । **10**

13. यात्रीक उपन्यासमे सामाजिक चेतनाकेँ स्पष्ट करु । **10**

14. मैथिलीक कोनो दू संस्मरण-पोथीपर प्रकाश दियड । **10**

SECTION – IV
खंड– IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.
(5 × 5 = 25 marks)

नोट : एहि खंडमे निम्नलिखित अनुच्छेदपर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न अछि । प्रत्येक प्रश्नक उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दमे अपेक्षित अछि । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकक अछि । **(5 × 5 = 25 अंक)**

कविकोकिल विद्यापति ठाकुर अभिनव जयदेव कहबैत छलाह । लोकक धारणा अछि जे ई उपाधि हुनका राजा शिवसिंह देने छलथिन । कोनो व्यक्तिक विशेषण रुढ़ भड गेलापर ओहि व्यक्तिक संज्ञा वा उपनाम भड जाइत अछि । ई पदबी विद्यापतिक उपनाम भड गेल । विद्यापति स्वयं एहि उपनामकेँ विशेष महत्त्व नहि देलनि । हुनक नौ सयसँ अधिक गीत मध्य केवल चारि भनितामे ई उपनाम भेटल अछि । तकर विपरीत बीस गीतमे ओ अपनाकेँ कवि-कण्ठहार कहैत छथि । एहिना विद्यापति सरसकवि शब्देँ आत्मनिर्देश बारह गीतमे कयल अछि । ओना बहुसंख्य गीतमे सोझे 'विद्यापति' अथवा 'सुकवि / कवि विद्यापति' सैह पाओल जाइत अछि । तेँ कहल जे विद्यापति स्वयं शिवसिंहक देल एहि उपाधिकेँ विशेष महत्त्व नहि देलनि ।

जयदेव, मिथिला ओ विद्यापति एहि तीनूक बीच बहुत रास आ बहुत प्रकारक निकट सम्बन्ध ज्ञात अछि । एक विद्वानक कहब छनि जे जयदेवक जन्म मिथिलामे कन्हौली नामक गाममे भेल । कन्हौली शब्द कृष्णपल्ली शब्दक अपभ्रंश थिक, केन्दुविल्प एकरे कृत्रिम संस्कृतीकरण थिक । जयदेवक जन्मभूमि होयबाक श्रेय बंगाली लोकनि बंगालकेँ ओ ओड़िया लोकनि उड़ीसाकेँ दड रहल छथि । किन्तु किनकहु पक्का प्रमाण नहि छनि । जँ संभावना वा सम्भाव्यता सैह आधार हो तँ मिथिलाक दाबी ककरहुसँ कमजोर नहि अछि । मैथिल पण्डित जीविकाक अन्वेषणमे समतटसँ कच्छ दौड़ि जाइत छलाह । आश्चर्य नहि, मिथिलाक पुत्ररत्न वटुदास वा श्रीधरदासक संग जयदेव सेहो लक्ष्मणसेनक दरबार पहुँचल होथि । लक्ष्मणसेनक ख्याति विद्यापतिक पूर्व आ पश्चातो मिथिलाक घर-घरमे छल । प्रमाणस्वरूप तत्कालीन प्राय: सकल अभिलेखमे काल-निर्देश 'लक्ष्मण संवत्' भेटैत अछि ।

जयदेव पूजल तँ जाइत छथि वैष्णव सन्तक रूपमे, किन्तु जयदेवक कतिपय श्लोकएँ प्रकट होइत अछि जे जयदेव प्रारम्भमे केवल वैष्णव भक्त वा सन्त नहि छलाह । ओ प्राय: स्मार्त वा शैव सद्‌गृहस्थ छलाह, समान आस्थाक संग पंचदेवोपासक छलाह । यैह छल विशुद्ध मैथिल परम्परामे विद्यापतिक धार्मिक स्वरूप आ यैह स्वरूप देखैत छी जयदेवोक । जयदेव आ अभिनव जयदेव दुनूक एक बाना ।

15. विद्यापति की कहबैत छलाह आ से किएक ? **5**

16. विद्यापतिक कोन-कोन उपाधिक चर्चा भेल अछि ? **5**

17. जयदेवक संग मिथिलाक केहन सम्बन्ध छल ? **5**

18. जयदेवक जन्मभूमि होयबाक श्रेय कोन-कोन क्षेत्र प्राप्त करड चाहैछ ? **5**

19. जयदेव कोन रूपमे पूजित होइत छथि ? **5**

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....